

30/5  
2

पसावली मेम हूँ। वकील पार्थिव को आपाठ  
लगाई गई। बार-बार आपाठ लगाने के बावजूद  
भी वकील पार्थिव न्यायालय में दाखिल नहीं  
होते। यह आपके अदालत का अफसर है।  
अफसर पेशवा में स्थिति की जाती है। पसावली  
फैमिली ठुमार होकर साबुत से कात होकर  
दाखिल दफ्तर हूँ।

उपखण्ड अधिकारी, दांतारामगढ